एक नजर में

दुष्कर्म का फरार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

मधुसूदनगढ़। गुना एसपी हितिका वासल के निर्देशन में फरार अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मधुसूदनगढ़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 3 साल से फरार 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी अर्जुन भील निवासी झिरिन्या को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2023 में दर्ज इस प्रकरण में एक आरोपी सोनू भील पूर्व में ही पकड़ा जा चुका था, जबकि अर्जुन लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। थाना प्रभारी और उनकी टीम ने घेराबंदी कर इस अंतिम वांछित आरोपी को दबोच लिया।

दो कर्मचारियों का वेतन काटा, थमाया नोटिस

गुना। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) की शिकायतों के निराकरण में बरती जा रही उदासीनता पर प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। राघौगढ़ जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शासन की इस महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा के दौरान कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने वाले दो कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उनके एक-एक दिवस का वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) के ब्लॉक समन्वयक नेमीचंद धाकड़ और सीएम हेल्पलाइन प्रभारी सह कंप्यूटर ऑपरेटर क्षेमेंद्र मोगिया द्वारा शिकायतों के समाधान में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। समीक्षा में पाया गया कि माह फरवरी 2026 में कई शिकायतें बिना किसी संतोषजनक निराकरण के लेवल-2 तक पहुँच गई थीं। इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों को पूर्व में मौखिक और लिखित रूप से सचेत भी किया गया था, लेकिन इसके बावजूद सुधार देखने को नहीं मिला।

यह कैसा विकास! डिवाइडर के बराबर बना दी सड़क

निर्माण से पहले ही शुरू हुआ दुर्घटनाओं का दौर, बढ़ सकती है समस्या

जनप्रतिनिधियों ने शुरू किया विरोध, प्रशासन अनदेखी पर तुला

नवभारत न्यूज

गुना 25 मार्च का।गुना शहर के मुख्य मार्ग हवाई पट्टी से हनुमान चौराहे तक करोड़ों की लागत से बन रही नई सीसी रोड वर्तमान में आम जनता के लिए सुविधा से ज्यादा जानलेवा मुसीबत साबित हो रही है। इस सड़क निर्माण में सुरक्षा मानकों की जिस तरह से अनदेखी की जा रही है, उसने शहरवासियों के मन में किसी बड़ी अनहोनी का डर पैदा कर दिया है। स्थिति यह है कि नई सड़क की ऊंचाई अत्यधिक बढ़ने के कारण बीच रोड पर बने पुराने कंक्रीट के डिवाइडर अब लगभग सड़क के समानांतर यानी 'बौने' हो गए हैं। तकनीकी रूप से यह चूक इतनी गंभीर है कि रात के अंधेरे या तड़के सुबह की धुंध में तेज रफ्तार वाहनों को इन डिवाइडरों का आभास ही नहीं होता, जिससे वाहनों के पलटने या डिवाइडर फांदकर दूसरी दिशा में जाने का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

सड़क की सतह से इन पुराने डिवाइडरों की ऊंचाई अब महज सवा से डेढ़ फीट ही शेष बची है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई वाहन अनियंत्रित होता है, तो वह इन छोटे अवरोधकों को आसानी से पार कर विपरीत दिशा से आ रहे वाहनों से टकरा सकता है। यह लापरवाही उस समय और भी घातक साबित हुई जब बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे हनुमान चौराहा और नेहरू चौराहे के बीच एक विशालकाय बोरवेल मशीन और ट्रैक्टर के बीच भीषण भिड़ंत होते-होते बची। निमार्णाधीन मार्ग पर बिना किसी ठोस ट्रैफिक प्लान के भारी वाहनों का प्रवेश जारी है, जिसके चलते पिपरोदा कला निवासी किसान मलखान यादव का ट्रैक्टर बोरवेल मशीन की चपेट में आ गया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद नागरिकों ने तत्काल शोर मचाकर मशीन रुकवा दी, अन्यथा किसान की जान जा सकती थी। इस घटना ने प्रशासन के उस दावे की पोल खोल दी है जिसमें निर्माण के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने की बात कही जाती है।

प्रशासन ने अनदेखी कर दी समस्या

हैरानी की बात यह है कि कलेक्टर ने स्वयं नेता प्रतिपक्ष से व्हाट्सएप पर फोटो और समस्या से जुड़ी जानकारी मांगी थी, जिसे समय रहते उपलब्ध भी करा दिया गया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य में इन सुरक्षा सुझावों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि अभी भी समय रहते इन सवा डेढ़ फीट बचे डिवाइडरों को नहीं बदला गया, तो यह चमचमाता मार्ग 'हादसों का कॉरिडोर' बन जाएगा। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मांग की है कि हनुमान चौराहे पर भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग डायवर्ट किए जाएं ताकि किसान और आम राहगीर सुरक्षित आवागमन कर सकें। फिलहाल, शहरवासी विकास की भारी कीमत अपनी सुरक्षा दांव पर लगाकर चुका रहे हैं और शासन-प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में मौन साधे बैठा प्रतीत होता है।

नेता प्रतिपक्ष ने कलेक्टर से की शिकायत

इस पूरे मामले में प्रशासनिक संवेदनहीनता का एक और पहलू तब सामने आया जब नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर जिला प्रशासन और कलेक्टर को आगाह किया। श्री वशिष्ठ ने बताया कि उन्होंने पूर्व में ही कलेक्टर को मोबाइल के माध्यम से वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए हनुमान चौराहे से एसएएफ कैंपस तक बन रहे रोड डिवाइडर की तकनीकी खामी की जानकारी दी थी। उन्होंने स्पष्ट रूप से सुझाव दिया था कि कंक्रीट के इन पुराने और खतरनाक डिवाइडरों को तुड़वाकर उनकी जगह आधुनिक 'स्टील फ्रेम ग्रिल' वाले डिवाइडर लगाए जाने चाहिए। स्टील ग्रिल की ऊंचाई अधिक होने से वे दूर से ही दिखाई देते हैं और किसी भी वाहन को डिवाइडर फांदने से रोकने में एक मजबूत ढाल का काम करते हैं।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कबीर आश्रम को दी 5 लाख की सौगात

गुना। नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 स्थित प्रसिद्ध कबीर आश्रम की बाउंड्रीवाल का निर्माण जल्द शुरु होगा। राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आश्रम की बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 5 लाख रुपए की अनुशंसा की है। लंबे समय से अनुयायियों द्वारा की जा रही इस मांग को पूरा करने में राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह की सक्रियता के चलते पूरा कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 6 स्थित कबीर आश्रम में बाउंड्रीवाल के लिए लंबे समय से अनुयायी जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे थे। इस संबंध में राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने स्थानीय लोगों की भावनाओं और आश्रम की आवश्यकता को समझते हुए राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को एक औपचारिक पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने कबीर आश्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए राशि आवंटित करने का विशेष आग्रह किया था। विधायक जयवर्धन सिंह के पत्र पर तत्काल संज्ञान लेते हुए दिग्विजय सिंह ने बिना विलंब किए गुना कलेक्टर को पत्र लिखकर 5 लाख रुपए की अनुशंसा कर दी है। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया है कि उक्त राशि को नियमानुसार आवंटित कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए। पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए ग्राम पंचायत को एजेंसी नियुक्त किया जाए, जो निर्धारित गुणवत्ता मानकों के साथ इस कार्य को पूर्ण कराएगी।

स्वर्णकार माहौर समाज ने मनाया गणगौर पर्व

नवभारत न्यूज

गुना। स्वर्णकार माहौर समाज महिला मंडल ने इस वर्ष भी गणगौर पर्व उत्साह के साथ मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने शहर में एक शोभायात्रा निकाली। मंदिर घाट से शुरु हुई शोभायात्रा सराफा बाजार, सदर बाजार, हाट रोड होते हुए गढ़ा कॉलोनी पहुंचा। जहां एक पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाते हुए उत्साह के साथ पूजा-पाठ किया।

56 लीटर कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुना। एसपी हितिका वासल के निर्देशन में अवैध शराब माफियाओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत राघौगढ़ पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर धीरपुर के जंगल में घेराबंदी कर पुलिस टीम ने नरेंद्र मेर (32) निवासी राघौगढ़ को दबोचा। आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक की केन में भरी 56 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 5,600 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इस त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी सिंह रसना राजावत व उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही।

मेले की तैयारियां : नपाध्यक्ष ने टेकरी मेले का किया निरीक्षण

गुना। आगामी 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रसिद्ध श्री हनुमान टेकरी मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले विशाल मेले की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र इस आयोजन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने बुधवार प्रात: अपनी पूरी टीम के साथ मेला क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री सहित नगर पालिका के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्हें आयोजन को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। श्रद्धालुओं को पेयजल की कमी न हो, इसके लिए नपाध्यक्ष ने तकनीकी अमले को विशेष हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि बूढ़े बालाजी स्थित पानी की टंकी पर एक अतिरिक्त मोटर स्टैंडबाय मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि मुख्य मोटर में कोई तकनीकी खराबी आती है, तो तत्काल प्रभाव से दूसरी मोटर चालू कर टेकरी मार्ग पर पानी की सप्लाई को निर्बाध रूप से सुचारु बनाया जा सके। पेयजल प्रकोष्ठ के कर्मचारियों को जल वितरण व्यवस्था की निरंतर निगरानी करने के लिए पाबंद किया गया है। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद अरविंद गुप्ता, सहायक यंत्री शैलेंद्र अवास्या और टेकरी मंदिर समिति के पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्याना में लापरवाही फिर उजागर

प्रसूता को लेने नहीं पहुंची जननी, डायल-112 में हुआ महिला का प्रसव

गुना। जिले के म्याना क्षेत्र से स्वास्थ्य विभाग की संवेदनहीनता और बदइंतजामी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सरकारी दावों की पोल खोलकर रख दी है। ग्राम लहरकोता में एक प्रसूता को समय पर जननी एक्सप्रेस या 108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाई, जिसके चलते मानवीय संवेदना के आधार पर मदद के लिए पहुंचे पुलिस के डायल 112 वाहन में ही महिला का प्रसव कराना पड़ गया।

दरअसल, ग्राम लहरकोता निवासी रामहेती पत्नी गोलू प्रजापति को रात 2 बजे के करीब प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को फोन कर सहायता मांगी, लेकिन वहां से केवल 'थोड़ा इंतजार करें, गाड़ी भेजी जा रही है' का रटा-रटाया जवाब मिला। एक घंटे तक दर्द से तड़पती महिला के लिए जब कोई सरकारी एंबुलेंस नहीं पहुंची, तो परिजनों ने हताशा में डायल 112 को फोन किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मानवता का परिचय दिया और रात 3 बजे गांव पहुंचकर प्रसूता को वाहन में बैठाकर अस्पताल की ओर रवाना हो गए। दुर्भाग्यवश, अस्पताल पहुंचने से पहले ही हाईवे स्थित म्याना साक्षी मेडिकल कॉलेज के समीप डायल 112 के भीतर ही महिला ने एक बच्ची को जन्म दे दिया। परिजनों का आरोप है कि जब जच्चा-बच्चा को म्याना स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, तो वहां मौजूद स्टाफ का व्यवहार अत्यंत संवेदनहीन था। प्राथमिक उपचार और आवश्यक देखभाल के बजाय, अस्पताल प्रबंधन ने अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हुए सुबह 9 बजे जच्चा-बच्चा को जिला अस्पताल गुना रेफर कर दिया। खास बात यह है कि रामहेती प्रजापति की यह पांचवी डिलेवरी थी, ऐसे में उन्हें तुरंत देखरेख की आवश्यकता था, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र ने अपनी जिम्मेदारी पूरी करने की बजाए महिला को गुना रवाना कर दिया। फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और उन्हें गुना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

इस मामले के सामने आने के बाद ग्रामीणों का कहना है कि म्याना स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से अव्यवस्थाओं का केंद्र बना हुआ है, जहां न तो समय पर एंबुलेंस उपलब्ध होती है और न ही मरीजों को उचित इलाज मिल पाता है।

ससुराल से महिला को अगवा कर ले गए 4 युवक

पिता ने एसपी को सुनाई आपबीती कहा-मेरी बेटी वापस ला दो

नवभारत न्यूज

गुना। बमौरी क्षेत्र के ग्राम वैलास से 22 वर्षीय विवाहित महिला को मायके क्षेत्र में रहने वाले 4 युवकों द्वारा अपहरण करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विवाहिता का पिता और उसका पिता अब पुलिस के चक्कर काट रहे हैं।

दरअसल, कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम दूधई निवासी कृष्णा का विवाह ग्राम वैलास में हुआ है। कृष्णा के पिता हरिसिंह की ओर से गुना एसपी से की गई शिकायत के मुताबिक 12-13 मार्च की दरमियानी रात दूधई के रहने वाले 4 युवक उनकी बेटी को ससुराल से अगवा कर ले गए।

संयोग यह रहा कि जब चारों युवक उनकी बेटी को ला रहे थे तब हरिसिंह अपने खेत में मवेशी भगाने पहुंचे थे और उन्होंने चारों युवकों के साथ बिसोनिया गांव के पास उनकी बेटी को भी देखा था। पीड़ित पिता का आरोप है कि गांव के ही चार दबंग युवक चार मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए और उनकी बेटी को जबरन उठाकर ले गए। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों में से एक युवक दूर के रिश्ते में हरिसिंह का भाई ही लगता है। आरोप यह भी है कि ये युवक न केवल उनकी बेटी को उठा ले गए, बल्कि ससुराल पक्ष के कीमती जेवर भी अपने साथ समेट ले गए हैं। घटना के 10 से 12 दिन बीत जाने के बाद भी विवाहिता का कोई सुराग न मिलना पुलिस की सक्रियता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि ससुराल पक्ष ने तत्काल कैंट थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय पुलिस की कथित शिथिलता और बेटी की जान को खतरे में देखते हुए मजबूरन पिता को एसपी के पास गुहार लगानी पड़ी है।

हरिसिंह यादव ने एसपी को सौंपे गए आवेदन में चारों आरोपियों के नामजद विवरण देते हुए अपनी बेटी की सुरक्षित वापसी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

विश्व टीबी दिवस पर मंगलवार को शिविर

गुना। ग्राम पंचायत सकतपुर में टीबी हेल्थ कैंप और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में क्षय रोग के प्रति व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना, लक्षणों के प्रति जागरूक करना और संभावित मरीजों की पहचान कर उनका तत्काल उपचार शुरू करवाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला टीबी केंद्र गुना में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ऋषीश्वर द्वारा किया गया। सकतपुर में आयोजित इस शिविर में 'पीएम जन मन' मोबाइल यूनिट के माध्यम से कुल 80 ग्रामीणों की ओपीडी दर्ज की गई। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. राहुल अहिरवार ने मरीजों का परीक्षण किया।

कड़ा रुख अध्यक्ष सविता गुप्ता के सख्त तेवर देख हड़बड़ाया तकनीकी अमला

नगरपालिका गुना में फाइलों में दबे 37 वार्डों के 60 टेंडर

नवभारत न्यूज

गुना। गुना नगर पालिका में पिछले सात महीनों से विकास कार्यों पर कुंडली मारकर बैठे सुस्त प्रशासनिक तंत्र और लापरवाह तकनीकी अमले के खिलाफ नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए आर-पार की जंग छेड़ दी है। अध्यक्ष द्वारा परिषद के भीतर व्याप्त हीलाहवाली और अधिकारियों की कार्यशैली की शिकायत सीधे केंद्रीय नेतृत्व तक पहुँचाने के बाद अब प्रदेश के गलियारों में हड़कंप मच गया है।

नपाध्यक्ष की इस सक्रियता का ही परिणाम है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वयं इस गंभीर मामले का संज्ञान लिया और मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पत्र लिखकर गुना के सभी 37 वार्डों के विकास कार्यों के लिए तत्काल तकनीकी स्वीकृति दिलाने हेतु निर्देशित किया है। इस हस्तक्षेप के बाद अब शहर में रुके हुए करीब 18.40 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के जल्द शुरू होने की उम्मीद जग गई है। नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी और तकनीकी अमले को आड़े हाथों लेते हुए स्पष्ट किया कि अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण ही शहर का विकास पूरी तरह अवरुद्ध पड़ा है। उन्होंने तकनीकी अमले की पोल खोलते हुए बताया कि विगत अगस्त और सितंबर 2025 की बैठकों में स्वीकृत करीब 50 टेंडरों को केवल इसलिए निरस्त कर दिया गया क्योंकि संबंधित उपयंत्रियों ने उनकी तकनीकी

स्वीकृति लेने में रुचि नहीं दिखाई। अध्यक्ष ने उपयंत्रियों और सहायक यंत्री को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा करते हुए कड़े निर्देश जारी किए हैं कि पीआईसी बैठकों में स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से ली जाए और तत्काल नई निविदाएं जारी की जाएं। चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने इस प्रक्रिया में देरी की, तो उनका प्रकरण सीधे नगरीय प्रशासन विभाग, भोपाल को दंडात्मक कार्यवाही हेतु भेजा जाएगा।

मैं निर्देश दे रही हूं, कार्रवाई नहीं हुई: श्रीमति सविता गुप्ता

अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रहार करते हुए श्रीमती गुप्ता ने उल्लेख किया है कि पिछले कई महीनों से वे उपयंत्रियों को मौखिक निर्देश दे रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं हुई। वास्तविकता उजागर करते हुए उन्होंने बताया कि ग्वालियर स्थित कार्यपालन यंत्री से उनकी सीधी चर्चा हुई है, जिन्होंने आश्वस्त किया है कि यदि गुना नपा का अमला ऑनलाइन या ऑफलाइन फाइलें भिजवा दे, तो वे तत्काल स्वीकृति प्रदान कर देंगे। इसके बावजूद गुना के तकनीकी अधिकारियों द्वारा फाइलों को दबाकर रखना उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा 20 मार्च को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को लिखे गए पत्र के बाद अब उन 60 टेंडरों पर काम शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है जो पिछले 7 महीनों से फाइलों में दबे धूल फांक रहे थे।

अध्यक्ष के इस साहसिक कदम की वार्डवासियों और पार्षदों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है, क्योंकि लंबे समय से वार्डों की सड़कें, नालियां और मुक्तिधाम जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी कार्य अधिकारियों की मनमानी की भेंट चढ़े हुए थे।

शिवपुरी स्वास्थ्य शिविर ने रचा इतिहास, 2 लाख 80 हजार मरीजों का उपचार

नवभारत न्यूज

गुना। शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में आयोजित 8 दिवसीय विशाल स्वास्थ्य एवं उपचार शिविर के समापन पर गुना की अग्रणी सामाजिक संस्था रोटरी क्लब गुना रॉयल को उसकी उत्कृष्ट सेवाओं, समर्पण और अद्वितीय मानवीय दृष्टिकोण के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया है।

स्व. माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य मिशन, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन और मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर ने चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। समापन समारोह के दौरान एमपीसीए के अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने रोटरी क्लब गुना रॉयल के उपप्रांतपाल अंकुर दुसाज और सत्र उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और क्लब द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की मुक्तकंठ से सराहना की। बता दें कि शिवपुरी मेडीकल कॉलेज में आयोजित स्वास्थ्य शिविर अपनी व्यापकता और सेवा के स्तर के कारण पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि इसमें लगभग 2 लाख 80 हजार मरीजों का उपचार किया गया और करीब साढ़े तीन हजार मरीजों के जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। पूरे देश से आए लगभग 400 विशेषज्ञों और चिकित्सकों ने इस महाभियान में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सर्वाधिक मरीजों के उपचार और उत्कृष्ट प्रबंधन के चलते इसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में भी स्थान प्राप्त हुआ है। संस्था के सेवा कार्यों को धरातल पर उतारने और मरीजों को चिन्हित कर उन्हें मेडिकल कॉलेज तक पहुंचाने के लिए करीब 70 स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया गया था, जिसमें रोटरी क्लब गुना रॉयल के सदस्यों ने दिन-रात एक कर अपनी सेवाएं दीं।